

Sohnes des Kaitra, Grosssohnes des Mondes, Verz. d. Oxf. H. 25, b, 2. — 3) adj. durch einen Wagen vermehrt ÇĀṆKH. GR. 1, 14, 16. PĀR. GR. 1, 9, 5.

अधिरथि m. MBu. 1, 2775 fehlerhaft für अधिरथ 1) b), wie die ed. Bomb. liest.

अधिरथीय (von अधिरथ); कुत्सस्याधिरथीयम् N. eines Sāman Ind. St. 3, 214, a.

अधिराज Z. 3 lies 9, 10, 24 st. 9, 13, 24.

अधिराजता f. die Würde eines Oberkönigs über (gen.) KATHĀS. 25, 12.

अधिराज्य 1) विद्याधराधि° KATHĀS. 26, 104. — Vgl. अधिराज्य.

अधिरापण, मूला° KATHĀS. 24, 95.

अधिराक्ष 1) पृष्ठे KATHĀS. 26, 75. चिताधि° RAGH. 8, 56.

अधिलोक (1. अ° + लोक) m. die höchste Welt MBu. 13, 1055.

अधिवङ्ग (1. अ° + वङ्ग) n. N. pr. eines Waldes MBu. 3, 8093.

अधिवत्सर (1. अ° + व°) m. Bez. des Jupiterjahres von 561 Tagen WEBER, N. a. 2, 281, N. 1, Z. 1 v. u.

अधिवपन (von वप् mit अधि) n. das Zudecken Z. d. d. m. G. IX, LXIV.

अधिवसति (von वस्, वसति mit अधि) f. Wohnstätte, Wohnung SĀU. D. 43, 11.

अधिवाद (von वद् mit अधि) m. ein Angriff in Worten KĀTH. 19, 12 in Ind. St. 3, 478.

1. अधिवास 2) मनुजेन्द्राधि° HARIV. 6369. कार्यस्वाधिवार्स ते तत्र गत्वा 6371. पतत्रिणाम् R. 2, 93, 17. मुक्तामाम् der Erlösten und zugleich der Perlen Spr. 739. सिद्धानाम् KATHĀS. 22, 46. — Vgl. अधीवास.

3. अधिवास Wohlgeruch: (ब्रह्म) अर्कृत्किल तस्य वेगवानधिवासस्पृक्ष्येव माहृतः RAGH. 8, 34. वस्त्रमापस्तिस्त्रान्भूमिं गन्धो वासपते यथा; पुष्पाणामधिवासेन MBu. 3, 24. (गुणदोषान्) शुभाशुभाधिवासेन (Geruch überh.) संसर्गः कुरुते यथा 23. वार्तेः प्रकृष्टसंस्कारकृताधिवासेः wohlriechend gemacht R. 6, 32.

अधिवासन als Erkl. von भावना (sonst = वासना) MED. n. 101. Die Stelle Verz. d. B. H. No. 897 gehört schwerlich hierher; auch steht die Form des Wortes nicht sicher.

अधिवासन (vom caus. von वस्, वसति mit अधि) n. Bez. bestimmter mit Götterstatuen vorgenommener Cerimonien Verz. d. Oxf. H. 32, b, 27. 43. a, 4. VARĪU. BR. S. 60, 22. °माण्डप die Festhütte, in der diese Cerimonien vor sich gehen 1.

अधिवासना f. das Willfahren LALIT. ed. Calc. 6, 11.

1. अधिवासिन् (von वस्, वसति) adj. wohnend; s. तोयाधिवासिनो.

2. अधिवासिन् (von 3. अधिवास) adj. von Wohlgeruch erfüllt; davon nom. abstr. °वासिता (Conj. für °वासिता) Spr. 4126.

अधिविज्ञान (1. अ° + वि°) n. das höchste Wissen MBu. 13, 1055.

अधिवृत्तसूर्ये (1. अधि-वृत्त + सूर्ये, loc. von सूर्ये) wenn die Wipfel der Bäume von der Sonne beschienen werden TBa. 2, 2, 6, 4.

अधिवेदन (von विद् mit अधि) n. das Eingehen einer zweiten Ehe bei Lebzeiten der ersten Frau; vgl. अधिवेदनिक.

अधिवेष्टम् (1. अ° + वेष्टम्, adv. im Hause ÇĀ. 9, 78.

अधिअपण 1) SĀU. D. 10, 17. — Statt अि ist hier und unter अधिअपणितवै श्री zu lesen. — Vgl. अधिअपण.

अधिश्री (1. अ° + श्री) adj. mit Herrlichkeit reich ausgestattet RAGH. 7, 26. KUMĀRAS. 3, 53.

अधिषवण्यं (von अधिषवण) adj. zur Presse gehörig; m. du. die beiden Theile der Soma-Presse RV. 1, 28, 2.

अधिष्ठातर 1) TATTVA. 32. — Beiw. Çiva's MBu. 13, 1040.

अधिष्ठातृत्व n. nom. abstr. von अधिष्ठातर Aufseher, Wächter KAP. 1, 97.

अधिष्ठान 1) füge noch Unterlage, Grundlage, Basis hinzu. अधिष्ठानं गिरेरस्य भवान्भवितुमर्हति (sagt man zum Schildkrötenkönig) MBu. 1, 1122. किन्नमूले ऋधिष्ठाने सर्वे तस्त्रीविनो कृताः wenn demjenigen, auf dem Alles ruht, die Wurzeln abgeschnitten werden, 5528 = 12, 5256.

पापानां विद्धधिष्ठानं लोभमेव 13, 13758. KAP. 1, 142, 2, 23, 3, 11. — 3) eig. Residenz: पुराणाधि° RĀGA-TAR. 3, 266. — 4) स्वधिष्ठान (रथ) MBu. 3, 7101. = मुचक्र Schol. — 5) das Verweilen an einem Platze: अन° Abwesenheit Spr. 3333. — 6) das Betreten (eines Platzes): भूम्यधि° (v. l. भूम्यनि°) KĀTJ. Ç. 15, 8, 29. — 7) सर्वधिष्ठानसन्मात्र WEBER, RĀMAT. 338 übersetzt unser Fround durch in allen Zuständen alleinig wesenhaft, was schwerlich richtig sein kann. — 8) Segen Lot. de la b. l. 363.

अधिष्ठानवत् (von अधिष्ठान) adj. auf fester Grundlage ruhend: लक्ष्मी MBu. 1, 8055.

अधिष्ठेय (von स्था mit अधि) adj. zu beherrschen: नाम्निपतिना भूमि-रधिष्ठेया कथं च न MBu. 13, 3117. was das Gebiet des अधिष्ठातर bildet Schol. zu KAP. 1, 142.

अधिसामकृत्त्व m. N. pr. eines Fürsten VP. 461, N. 6. अधिसामकृत्त्व und अधिसामकृत्त्व Verz. d. Oxf. H. 40, b, 6. अधिसामकृत्त्व VP. 461.

अधिसेनापति (1. अ° + से°) m. Oberheerführer MBu. 2, 1065.

अधिसामकृत्त्व s. u. अधिसामकृत्त्व.

अधिस्पर्श m. unvollständige Aussprache gewisser Laute AV. PRĀT. 1, 9, 2, 24. Vgl. WHITNEY daselbst.

अधिकृति (1. अ° + कृतिन्) adv. auf einem Elephanten: यात्तम् RAGH. 18, 38.

अधीकार Befähigung: सखा वैश्रवणस्यासीन्मणिमान्नाम रानसः । अदर्शयदीकारं पौरुषं च मन्वावल्तः ॥ MBu. 3, 11720. = स्वाम्य Schol.

अधीति 2) das Studiren, Studium TAITT. ĀR. in Ind. St. 1, 74.

अधीतिन् ÇIKSHĀ 41. mit dem Studium der heiligen Schriften beschäftigt KUMĀRAS. 3, 16.

अधीन auf Etwas gelegen, befindlich auf: तमपि कुरुते क्रोडाधीनम् nimmt auf seinen Schooss Spr. 2763. येनावद्धेनोपनयताचार्याधीनं तत् dem Lehrer gehörig ÇĀṆKH. GR. 2, 1. अनधीन unabhängig TRIK. 3, 3, 317. — Vgl. अधीन.

अधीर 1) d) lies 11, 9, 22 st. 11, 11, 22. — 2) b) vgl. SĀU. D. 102. figg. अधीवास m. = 1. अधिवास 2) MBu. 13, 5212. 5257.

अधीश, सरिताम् d. i. das Meer ÇĀ. 9, 38. सर्वविद्याधराधीश KATHĀS. 19, 7. BUIG. P. 2, 6, 43. अत्तपत्साधीश RĀGA-TAR. 3, 300. — Vgl. त्र्यधीश.

अधीशितर (1. अधि + ई°) m. Gebieter so v. a. Gatte, der Liebste H. an. 3, 217. MED. n. 69.

अधीत 1) nicht auf der Stelle —, nicht ruhig bleibend: अद्य ÇAT. BR. 13, 3, 5. von einem Baume, der seine Blätter bewegt KĀTH. 11, 6.

अधीऽन्न MBu. 13, 659. RAGH. 10, 34.